अटल जी ने भारतीय अस्मिता को दी नई पहचान

रवीन्द्र भवन में अटल जन्म शताब्दी वर्ष के अवसर पर सांस्कृतिक महोत्सव

अतिथि विधायक भगवान दास सबनानी और विशिष्ट अतिथि डॉ साधना बलवटे, डॉ नुसरत मेहंदी, गोकुल सोनी और आलोक चौबे मंचासीन रहे. मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन और डॉ शुभश्री पटनायक के स्वागत उद्बोधन से कार्यक्रम की शुरुआत हुई.

नवभारत प्रतिनिधि

भोपाल, 4 दिसंबर. रवीन्द्र भवन में नृत्यधाम संस्था और भुवनेश्वर संस्था द्वारा संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार के सहयोग से पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी की जन्म शताब्दी वर्ष के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम सांस्कृतिक महोत्सव गरिमापूर्ण वातावरण में सम्पन्न हुआ.

कार्यक्रम में साहित्य, राजनीति और कला जगत से जुड़े विभिन्न पक्षों पर वक्ताओं ने अटल जी के व्यक्तित्व और कृतित्व को याद किया. कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रो खेमसिंह डेहरिया सभापति निजी विश्वविद्यालय विनियामक आयोग मध्यप्रदेश ने की. मुख्य अतिथि डॉ साधना बलवटे ने कहा कि अटल जी जैसे व्यक्तित्व स्मृतियों में अमर रहते हैं और उन्होंने भारतीय अस्मिता को नई पहचान दी. वहीं डॉ नुसरत मेहंदी ने कहा कि अटल जी की राजनीति करुणा, संवेदना और दृढ़ता का समन्वय को लेकर अपने विचार साझा किए. सारस्वत अतिथि गोकुल सोनी ने पोखरण परमाणु परीक्षण से पूरे विश्व में भारत का मान बढ़ा. विशिष्ट अतिथि डॉ साधना बलवटे ने कहा कि अटल जी जैसे व्यक्तित्व स्मृतियों में अमर रहते हैं और उन्होंने भारतीय अस्मिता को नई पहचान दी. वहीं डॉ नुसरत मेहंदी ने कहा कि अटल जी की राजनीति करुणा, संवेदना और दृढ़ता का समन्वय को लेकर अपने विचार साझा किए. सारस्वत अतिथि गोकुल सोनी ने उन्हें बहुआयामी प्रतिभा का धनी बताया और कहा कि वे तर्क और दृढ़ संकल्प के साथ हर चुनौती का सामना करते थे. कार्यक्रम में वरिष्ठ चित्रकार राज सैनी के संयोजन में छात्रों द्वारा बनाई गई प्रदर्शनी आकर्षण का केंद्र रही. प्रदर्शनी में अटल जी के जीवन, विचारों और राजनीतिक सफर को चित्रों के माध्यम से प्रस्तुत किया गया. सांस्कृतिक प्रस्तुतियों में संघ रत्ना बानकर और संघमित्रा तायवाड़े का शास्त्रीय नृत्य, ऋषि विश्वकर्मा और साथियों का बुंदेली लोकगायन और दीपान्वीता तथा तनिसा का समूह नृत्य विशेष सराहे गए.

कार्यक्रम के संयोजक सतीश पुरोहित और नृत्यधाम संस्था की सचिव डॉ शुभश्री पटनायक ने बताया कि इस आयोजन का उद्देश्य अटल जी की स्मृतियों और उनके आदर्शों को नई पीढ़ी तक पहुंचाना है.

100% एसआईआर कार्य करने पर शिकारा की सैर

▶ कलेक्टर ने बैरसिया की टीम को किया सम्मानित

बैरसिया, 4 दिसंबर. मतदाता सूची विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) कार्य सौ फीसदी पूरा करने पर बैरसिया की टीम को कलेक्ट्रेट कार्यालय भोपाल में गुरुवार को कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह ने सम्मानित किया.

बता दें बैरसिया विधानसभा क्षेत्र 149 में 4 दिसंबर तक एसआईआर कार्य शत- प्रतिशत कार्य पूर्ण किया गया. कलेक्टर सिंह ने एसडीएम आशुतोष शर्मा, तहसीलदार दीपक चौरसिया, जनपद सीईओ देवेश सराठे, नपा सीएमओ राजेंद्र सक्सेना सहित पूरी एसआईआर टीम को सम्मानित किया. इसके बाद

इस उत्कृष्ट कार्य के लिए बीएलओ एवं सुपरवाइजरों को बड़े तालाब पर शिकारा की सैर कराई गई, जिसमें अतिरिक्त तहसीलदार भूपेंद्र कैलासिया, नायब तहसीलदार राजेंद्र त्यागी समेत एसआईआर टीम के सभी बीएलओ सुपरवाइजर शामिल थे.

मजबूत इच्छाशक्ति से कुछ भी असंभव नहीं

▶ एम्स में मनाया पीएमआर का स्थापना दिवस

भोपाल, 4 दिसंबर. एम्स भोपाल के भौतिक चिकित्सा एवं पुनर्वास विभाग (पीएमआर) द्वारा विश्व दिव्यांग दिवस एवं विभाग के स्थापना दिवस के अवसर पर गुरुवार को जागरुकता कार्यक्रम आयोजित किया गया. इस कार्यक्रम का उद्देश्य दिव्यांगजन और उनके परिवारों को पुनर्वास सेवाओं, सहायक उपकरणों और सरकारी योजनाओं के बारे में सरल एवं उपयोगी जानकारी प्रदान करना था.

इस अवसर पर कार्यपालक निदेशक प्रो. (डॉ.) माधवानंद कर ने कहा कि पुनर्वास चिकित्सा बीमारी या दुर्घटना के बाद सामान्य जीवन में लौटने के लिए अत्यंत आवश्यक है. उन्होंने कहा कि मजबूत इच्छाशक्ति से जीवन में कुछ भी असंभव नहीं है. मेडिकल सुपरिन्टेंडेंट प्रो. (डॉ.) विकास गुप्ता ने पीएमआर विभाग की प्रगति को सराहनीय बताते हुए कहा कि विभाग ने सेवाओं, उपचार पद्धतियों और सुविधाओं में उल्लेखनीय सुधार किया है, जिससे मरीजों को बेहतर और प्रभावी पुनर्वास सहायता मिल रही है. इस कार्यक्रम में प्रो. (डॉ.) रजनीश जोशी (डीन एकेडेमिक्स), डॉ. विठ्ठल प्रकाश पुरी (सह-प्राध्यापक, पीएमआर), डॉ. अनुराधा दिवाकर शेनॉय (सहायक प्राध्यापक, पीएमआर) और डॉ. जॉन संतोषी (प्रोफेसर, ऑर्थोपेडिक्स) सहित कई गणमान्य उपस्थित रहे.

'रंग संस्कृति नाट्य समारोह' 12 से

भोपाल, 4 दिसंबर. नाट्य कला मंचन से सराबोर रहने वाले रंगश्री लिटिल बैले ट्रूप के रागबंध सभागार में 12 दिसंबर से द्वितीय 'रंग संस्कृति नाट्य समारोह' आरंभ हो रहा है. रंग संस्कृति सृजन समिति द्वारा संस्कृति मंत्रालय भारत सरकार के सहयोग से आयोजित इस तीन दिवसीय नाट्य समारोह में रंगमंच,संस्कृति एवं साहित्य के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने वाले कलाकार एवं साहित्य धर्मियों को स्मृति चिन्ह के साथ सम्मानित किया जाएगा. नाट्य समारोह के प्रथम दिवस मध्य प्रदेश नाट्य विद्यालय के छात्रों द्वारा संजय उपाध्याय के निर्देशन में तैयार नाटक 'एक थी चिड़िया' का मंचन होगा.

जहां श्रद्धा व भक्ति, वहां विनम्र रहता है व्यक्ति : पं. व्यास

▶ मानस भवन में रामकथा का तृतीय दिवस

भोपाल, 4 दिसंबर. मानस भवन के पंडित रामकिंकर सभागार में पंडित गोरेलाल शुक्ल स्मृति समारोह के अंतर्गत आयोजित रामकथा के तृतीय दिवस पं.उमाशंकर व्यास ने प्रवचन प्रसंग के अतंर्गत कहा कि श्रीरामचरितमानस में वृक्ष और पुष्प की बहुत सुंदर व्याख्या की गयी है.

गोस्वामी तुलसीदासजी वृक्ष के संबंध में कहते हैं कि पुष्पवाटिका में जहां सुगन्धित पुष्प खिले हुए हैं, वहीं आम के वृक्षों में मोर आ गये है. ऐसा लगता है कि जनकपुर की वाटिका में वसंत ऋतु स्थायी रूप से ठहर गयी है. इसका अध्यात्मिक अर्थ बताते हुए उन्होंने कहा कि ऋतुओं में वसंत ऋतु की अवधि भले ही दो माह की रहती हो लेकिन पुष्पवाटिका में तो ''श्रद्धा रितु वसंत सम गाई'' के रूप में लुभा कर रह गयी. तात्पर्य जहां श्रद्धा और भक्ति रहती है वहां व्यक्ति विनम्र रहता है. ऐसा विनम्र भाव व्यक्ति के जीवन में सदा बना रहना चाहिए जैसे वृक्षों के संबंध में कहा कि फलों के बोझ से वृक्ष की शाखाएं नीचे झुक जाती हैं. इसका अर्थ है कि वे संसार को कुछ देने के साथ झुकना भी जानती है.इसे जड़ों की ओर लौटना भी कहा जा सकता है. इसलिए गोस्वामीजी उन्हें परोपकारी की संपत्ति की संज्ञा देते है अर्थात यदि हमारे पास संपत्ति है तो हमें दूसरों को देते हुए अहंकारी नहीं होना चाहिए.

एक नजर में

निटर में वार्षिक महोत्सव 'नवोत्कर्ष-2025'

भोपाल, 4 दिसंबर. समविश्विद्यालय बनने और विद्यार्थियों के पहले बैच का स्वागत करने के बाद, एनआईटीटीटीआर भोपाल का तीन दिवसीय वार्षिक महोत्सव 'नवोत्कर्ष-2025' पोस्टग्रेजुएट और पीएचडी स्टूडेंट्स के लिए आयोजित किया गया. यह आयोजन नवाचार, रचनात्मकता और सहयोग का मिश्रण प्रस्तुत करता है, जो छात्रों को अपनी प्रतिभाओं का प्रदर्शन करने और खेलों और शैक्षिक क्षेत्रों में संभावनाओं की सीमाओं को बढ़ाने का अवसर प्रदान करेगा. इस अवसर पर निटर के डायरेक्टर प्रो. सी.सी. त्रिपाठी ने कहा कि हमारे स्टूडेंट्स की सफलता सिर्फ उनकी एकेडमिक अचीवमेंट्स से नहीं, बल्कि जीवन के अन्य क्षेत्रों में संतुलन बनाए रखने और उसमें सफलता प्राप्त करने की उनकी क्षमता से भी मापी जाती है. निटर भोपाल के डीन, कॉर्पोरेट और इंटरनेशनल रिलेशंस, प्रो. पी.के. पुरोहित ने कहा कि इस इवेंट का फोकस पोस्टग्रेजुएट और पीएचडी स्टूडेंट्स पर है, जो अक्सर रिसर्च और एकेडमिक्स के प्रेशर में उलझे रहते हैं. नवोत्कर्ष 2025 महोत्सव केवल खेलों तक सीमित नहीं है; यह नवाचार की भावना और सहयोग की शक्ति का उत्सव है.

हृदय दृश्यम वृहद संगीत समारोह आज से

भोपाल, 4 दिसंबर. संस्कृति विभाग और पर्यटन विभाग द्वारा हृदय दृश्यम वृहद संगीत समारोह का आठवां संस्करण 5 से 7 दिसंबर तक रवीन्द्र भवन के हंसध्वनि सभागार में किया जा रहा है. समारोह का शुभारंभ शुक्रवार की शाम 5 बजे होगा.कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव उपस्थित रहेंगे. अध्यक्षता संस्कृति, पर्यटन और धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व विभाग के मंत्री धर्मेंद्र सिंह लोधी करेंगे. समारोह के पहले दिन हंसध्वनि सभागार में शाम साढ़े पांच बजे पंडित रघुवीर चौधरी, सात बजे अमान और अयान अली बांगश और रात आठ बजे मधुबन बाघमार अपनी प्रस्तुतियां देंगे. छह दिसंबर को कार्यक्रम जगदीशपुर में होगा. जगदीशपुर में सुबह साढ़े पांच बजे उद्घाटन सत्र होगा. इसके बाद पंडित रविशंकर सुबह साढ़े छह बजे से प्रस्तुति देंगे. पंडित आदित्य कल्याणपुर सुबह साढ़े आठ बजे से शास्त्रीय वादन प्रस्तुत करेंगे. सात दिसंबर को भारत भवन में सुबह साढ़े छह बजे नाद ब्रह्म प्रस्तुति होगी.

विद्यार्थियों ने किया दूरदर्शन केंद्र का भ्रमण

▶ एसजीएसयू के छात्र-छात्राओं ने किया भ्रमण

भोपाल, 4 दिसंबर. स्कोप ग्लोबल स्किल्स यूनिवर्सिटी (एसजीएसयू) के मीडिया एंड जर्नलिज्म स्कूल, एनीमेशन-गेमिंग-वीएफएक्स स्कूल एवं टीम युवाज़ के छात्रों द्वारा दूरदर्शन केंद्र भ्रमण का किया गया.

इसका उद्देश्य छात्रों को टेलीविजन प्रसारण की वास्तविक कार्यप्रणाली, तकनीकी संरचना और सार्वजनिक सेवा मीडिया की भूमिका से अवगत कराना था. इस दौरान छात्रों ने न्यूज़रूम, प्रोडक्शन कंट्रोल रूम (पीसीआर), स्टूडियो संचालन, एडिटिंग रूम और ट्रांसमिशन यूनिट्स का अध्ययन किया. दूरदर्शन के अधिकारियों ने न्यूज़ बुलेटिन निर्माण की प्रक्रिया, लाइव प्रसारण की तकनीक, कार्यक्रमों के शेड्यूल निर्माण तथा राष्ट्रीय प्रसारक द्वारा अपनाए जाने वाले मानकों की विस्तार से जानकारी दी.

एसजीएसयू के चांसलर डॉ चतुर्वेदी ने कहा कि दूरदर्शन जैसे राष्ट्रीय प्रसारक का प्रत्यक्ष अनुभव विद्यार्थियों के आत्मविश्वास, तकनीकी दक्षता और करियर दृष्टि को सशक्त बनाता है और उन्हें भविष्य के मीडिया प्रोफेशनल के रूप में मजबूत आधार प्रदान करते हैं.

6 को मनेगा होमगार्ड्स का स्थापना दिवस

भोपाल, 4 दिसंबर. प्रदेश में होमगार्ड्स का स्थापना दिवस 6 दिसंबर को समारोह पूर्वकमनाया जाएगा. होमगार्ड्स, नागरिक सुरक्षा एवं आपदा प्रबंधन महानिदेशक प्रज्ञा ऋचा श्रीवास्तव ने बताया कि स्थापना दिवस मुख्य समारोह का आयोजन मुख्यमंत्री के मुख्य आतिथ्य में होमगार्ड्स परेड ग्राउण्ड जहांगीराबाद में होगा. कार्यक्रम में परेड द्वारा मुख्य अतिथि को सलामी, परेड का निरीक्षण, मार्च पास्ट के बाद मुख्य अतिथि का उद्बोधन, एसडीईआरएफ तथा सिविल डिफेंस द्वारा आपदा बचाव का डेमोस्ट्रेशन, अदम्य साहसिक कार्य के लिए तथा छात्र-छात्राओं को पुरस्कार वितरण किया जाएगा.

आदित्य रिखारी के गानों पर झूम उठे मेडिकल स्टूडेंट्स

▶ एम्स भोपाल में वार्षिकोत्सव रेटिना 8.0 का आयोजन

भोपाल, 4 दिसंबर. एम्स के वार्षिक उत्सव रेटिना 8.0 में गुरुवार की शाम मंच पर इंडी सिंगर आदित्य रिखारी की एंट्री के साथ ही मेडिकल स्टूडेंट्स खुशी से उछल पड़े. ओ मेरे हमदम हमदम गीत से शुरुआत करते ही पूरा ग्राउंड उनकी आवाज से गूंज उठा और छात्र-छात्राएं भी तेज आवाज में उनके साथ गाने लगे.

रिखारी ने मंच पर आते ही लगातार लोकप्रिय गीतों की श्रृंखला पेश की. आज मोहब्बत करते हैं तुसे, हम खो गए हैं, न समझ हूं समझता नहीं जैसे गानों ने माहौल को और अधिक रोमांचक बना दिया. माना तेरी मुस्कुराते, सुन मेरे यार बे, दीवानी तेरी हैं अखियां जैसे गानों पर छात्र मोबाइल फ्लैश लाइट जलाकर झूमते नजर आए.

विक्रमोर्वशीय में अभिनय के नए आयामों के साथ प्रस्तुति

▶ रवीन्द्र भवन में उर्वशी प्रेमकथा का मंचन

नवभारत प्रतिनिधि

भोपाल, 4 दिसंबर. रवींद्र भवन के अंजनी सभागार में मध्यप्रदेश नाट्य विद्यालय के विद्यार्थियों द्वारा महाकवि कालिदास के प्रसिद्ध नाटक विक्रमोर्वशीय की प्रस्तुति दी गई. राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय ग्वालियर से संबद्ध इस प्रस्तुति ने शास्त्रीय रंग परंपरा और आधुनिक प्रशिक्षण के सुंदर संगम का प्रभावशील उदाहरण प्रस्तुत किया.

इस प्रस्तुति का संगीत और परिकल्पना आमोद भट्ट और नृत्य परिकल्पना नम्रता श्रीमाली द्वारा की गई. सहायक निर्देशन द्वारिका दाहिया और निर्देशन वरिष्ठ नाट्य निर्देशक रामजी बाली ने किया.

> नाटक की कथा पुरुरवा और उर्वशी के अद्भुत प्रेम पर आधारित रही. मंचन की शुरुआत उस प्रसंग से की गई जिसमें राजा पुरुरवा अप्सराओं को असुर केशी से मुक्त कराते हैं, इसी क्षण उर्वशी उनके प्रति आकर्षित होती है. निर्देशक ने इस दृश्य को प्रकाश संयोजन, संगीत से प्रभावी बनाया और तालियां बटोरी .नाटक का मध्य भाग उर्वशी के पृथ्वी पर आने, पुरुरवा और उसके प्रेम, गंधमादन पर्वत पर बिताए समय और श्रापवश लता बनने की घटना पर केंद्रित रहा.

चित्रकला | गोंड जनजातीय चित्रकार सुरेन्द्र टेकाम से नवभारत की बातचीत

प्रकृति से मिल रही जीवंत चित्रों को बनाने की प्रेरणा

नवभारत प्रतिनिधि

भोपाल, 4 दिसंबर. हर जीव में एक आत्मा होती है और वही संवेदना चित्रों की रेखाओं में जीवंत होती है. कुछ ऐसी ही चित्रकारी मध्यप्रदेश जनजातीय संग्रहालय की लिखन्दरा प्रदर्शनी दीर्घा में देखने को मिल रही है.

68 वीं शलाका जनजातीय चित्र प्रदर्शनी कला प्रेमियों को आकर्षित कर रही है. यह प्रदर्शनी तीन दिसंबर से शुरू हुई और तीस दिसंबर तक चलेगी. गोण्ड जनजातीय समुदाय के युवा कलाकार सुरेन्द्र टेकाम की पेंटिंग्स प्रदर्शित की गई हैं. प्रदर्शनी के दौरान बातचीत में सुरेन्द्र टेकाम से बातचीत के अंश.

प्रकृति से मिलती है प्रेरणा: चित्रों को बनाने की प्रेरणा जंगल, पहाड़, पशु, पक्षी और आसपास का प्राकृतिक वातावरण से आती है. सुरेन्द्र बताते हैं कि वे गोण्ड कला की पारंपरिक शैली यानी डॉट्स लाइन्स और पैटर्न पर काम करते हैं. रंगों में लाल, काला, पीला, हरा और मिट्टी से जुड़े प्राकृतिक रंगों का उपयोग भी करते हैं. इन रंगों से उन्हें बचपन की मिट्टी और जंगल की खुशबू की याद आती है. अपने चित्रों में प्रकृति के जीवन को कहानी की तरह बुनना और उसे एक नई अलग पहचान देने का मेरा प्रयास रहता है. प्रदर्शनी में लगे उनके चित्रों में पशु पक्षी, जंगल, पहाड़ और प्रकृति की सहज सुंदरता प्रमुखता से दिखाई देती है उन्होंने बताया चित्रों को बनाने में धैर्य की जरूरत होती है. क्योंकि गोण्ड शैली की पेंटिंग बनाने में कई घंटे लगते हैं. उन्होंने आजीविका के लिए गांव में रहकर चित्रकला करने के साथ खेती भी करता हूं.

गंदगी फैलाने वालों से वसूला 51,650 रुपये जुर्माना

भोपाल, 4 दिसम्बर. नगर निगम अमले ने विभिन्न जोन क्षेत्रों में कार्रवाई करते हुए सड़कों, व सार्वजनिक स्थलों पर गंदगी फैलाने वालों से 167 प्रकरणों 51 हजार 650 रुपये की राशि वसूल की. नगर निगम के स्वास्थ्य विभाग के अमले ने जोन क्रमांक 01 में 04 प्रकरणों में 550 रुपये, जोन क्र. 02 में 05 प्रकरणों में 01 हजार 250 रुपये, जोन क्र. 03 में 05 प्रकरणों में 500 रुपये, जोन क्र. 04 में 04 प्रकरणों में 01 हजार रुपये, जोन क्र. 05 में 03 प्रकरणों में 03 हजार रुपये, जोन क्र. 06 में 01 प्रकरण में 200 रुपये सहित अन्य जगहों पर जुर्माना वसूला.

विद्यार्थियों ने देखी विधानसभा की कार्यवाही

▶ एलएनसीटी के छात्रों ने प्राप्त किया व्यावहारिक ज्ञान

नवभारत प्रतिनिधि

भोपाल, 4 दिसम्बर. एलएनसीटी यूनिवर्सिटी भोपाल के स्कूल ऑफ लीगल स्टडीज के छात्रों ने गुरुवार को मध्यप्रदेश विधानसभा का शैक्षणिक भ्रमण किया. यह भ्रमण प्रोफेसर मुकेश कुमार साहू डीन एंड डायरेक्टर के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया. इस दौरान बड़ी संख्या में शिक्षक और छात्र उपस्थित रहे.

छात्रों ने विधानसभा की लाइव कार्यवाही का अवलोकन करते हुए प्रश्नकाल और शून्यकाल में होने वाली चर्चाओं को समझा और व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त किया. भ्रमण के दौरान छात्रों ने मध्यप्रदेश के उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा से भी भेंट की. उन्होंने छात्रों को विधानसभा की कार्यप्रणाली के बारे में मार्गदर्शन दिया और उनके साथ समूह फोटो कराया. इसके बाद छात्रों ने नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार से मुलाकात की, जिन्होंने विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं. प्रोटोकॉल अधिकारी राहुल चंद्रवंशी ने छात्रों को विधानसभा की संरचना और कार्यप्रणाली की विस्तृत जानकारी दी. कार्यक्रम को सफल बनाने में रजत ऊमरे, करन तिवारी, स्निग्धा सरैया, नमिका दुबे और सौम्या दुबे का विशेष योगदान रहा.